[श्री सीताराम केसरी]

जब आप सुरक्षा की बात करते हैं कि एक सौ से एक सौ पांच हैं तो हम स्वागत करते हैं मगर अपनी जबान पर ताला लगाइये और ठीक से बात करिये।

उपसभापति: स्टेटमेंट बंट रहा है इस बीच में I have an appointment and so I have to leave the Chair for our new Vice-Chairman.... The Vice-Chairman is hiding behind. He is shy. Now we have a new Vice Chairman and I have to request the hon. Members, he has been a Professor and been presiding over turbulent students and youth. Now I put the Elders into his hands. Please be kind to him.

[The Vice-Chairman (Prof. Chandresh P. Thakur) in the Chair]

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): We extend a hearty welcome to him.

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): You are a teacher. You can rule the unruly students on that side.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): I will try, whatever I can, on both sides.

STATEMENT BY MINISTER

Incident at Palej Railway Station in Bharuch District of Gujarat

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोधकांत सहाय): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस सम्माननीय सदन को 30 अप्रैल को गुजरात में भड़ौच जिले में पालेज रेलवे स्टेशन पर 23 डाउन बाम्बे-फिरोजपुर जनता एक्सप्रैस में यात्रा कर रहे भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवकों और स्थानीय व्यक्तियों को भीड़ के मध्य हुई घटना के बारे में सूचित करता हूं। पता चला है कि श्री प्रकाश मेहता भारतीय जनता पार्टी के विधायक (महाराष्ट्र) के नेतृत्व में एक ग्रुप 2.5.90 को आयोजित होने वाली 'कश्मीर बचाओ' रैली में भाग लेने के लिए दिल्ली आ रहा था। 14 बज कर 35 मिनट पर गाड़ी पालेज रेलवे स्टेशन पर रुकी, जहां पर इसका रुकने का समय चार मिनट का है। भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक गाड़ी में नारे लगा रहे थे। जिसका रेलवे स्टेशन के नजदीक रहने वाले कुछ स्थानीय मुसलमानों द्वारा विरोध किया गया। जैसे ही गाड़ी पालेज रेलवे स्टेशन से चलनी प्रारंभ हुई कुछ व्यक्तियों ने जंजीर खींच दी, जिससे गाड़ी रुक गई। लगभग 200 व्यक्तियों को एक अवैध भीड़ ने, जो प्लेट फार्म पर एकत्र हो गई थी, गाड़ी पर पथराव करना शुरू कर दिया।

गाड़ी में यात्रा कर रहे भा० ज० पा० एवं रा० स्व० से० संघ के स्वयं सेवकों और भीड़ के बीच झड़प हो गई। दिल्ली आ रहे ग्रुप में से एक व्यक्ति पर तेज हथियार से हमला किया गया और वह घटना स्थल पर ही मारा गया। गाड़ी में यात्रा कर रहे ग्रुप के अन्य 8 व्यक्ति झड़प में घायल हो गए। घटना का समाचार सुनकर भड़ौच से पुलिस तुरन्त पालेज पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

घायलों में से दो व्यक्तियों को भड़ौच सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया और शेष छह को बड़ौदा सिविल अस्पताल में भेजा गया। शव परीक्षा के बाद शव को पुलिस संरक्षण में बम्बई भेजा गया।

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 143, 147, 148, 149, 302, 323, 394, 395 और भारतीय रेल अधिनियम की धारा 108 के अन्तर्गत एक मामला दर्ज किया गया है। अब तक 21 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

राज्य सरकार ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक द्वारा जांच की जा रही है। राज्य सरकार ने मारे गए व्यक्ति के निकटतम संबंधी को 50,000/- रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने के भी आदेश दिए हैं।

पालेज तथा उसके आस-पास स्थिति शान्तिपूर्ण है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): यह मेरे उल्लेख पर वक्तव्य दिया गया है, इसलिए मैं कुछ पूछना चाहूंगा। जैसा मैंने कल संदेह प्रकट किया था· ...**(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): Just one minute. We already have a list of names.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: This was in response to my

Special Mention and so I should get the first chance.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): It is not a debate.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Certainly it is not a debate. It is in response to my Special Mention ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): Please listen to me.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: जैसा मैंने कहा था ...**(व्यवधान)** बयान के अंदर झूठ बोला गया है, कोई सच्चाई नहीं दी गई है।

क्या आप यह बतायेंगे कि वह कौन से नारे लगा रहे थे? आपने एक तरफा नारे की बात कही है। ...**(व्यवधान)** आपने यह नहीं कहा ...**(व्यवधान)** वह क्या नारे लगा रहे थे?

उपसभाध्यक्ष (प्रो० चन्द्रेश पी० ठाकुर): माथुर साहब, आप सीनियर सदस्य हैं। आप पहले बैठ जाइये।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मैं बैठ जाता हूं, लेकिन यह मेरा अधिकार है ...**(व्यवधान)** मैं कहना चाहता हूं ...**(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय बोल रहे हैं और आप खड़े हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: वाह, वाह, पाण्डेय जी आप नियम सुझा रहे हैं। बहुत अच्छा।

उपसभाध्यक्ष (प्रो० चन्द्रेश पी० ठाकुर): इस बात का ध्यान रखिये कि गवर्नमेंट की तरफ से जो मिनिस्टर ने बयान दिया है, यह बयान किसी व्यक्ति के उत्तर में नहीं है। यह सरकार का डिसीज़न है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सदन कुछ स्पष्टीकरण चाहता है, इसलिए कि स्टेटमेंट दिया गया है। इनके स्टेटमेंट में कहीं ऐसा नहीं कहा गया है कि यह माथुर साहब के प्रश्न का उत्तर है। यह प्रश्नकाल नहीं है।

आप बुजुर्ग सदस्य हैं। आप इस बात को समझिये। जब आप क्लैरिफिकेशन पूछना चाहेंगे, आपको मौका मिलेगा। इसलिए यह प्रतिष्ठा का सवाल मत बनाइये। आप चाहते हैं कि सरकार आपके जो विचार हैं, उनको फिर से सुने, तो सरकार सुनेगी। इसलिए आप इसमें कोआपरेट कीजिए।

श्री सीता राम केसरी (बिहार): यह चालाक हैं। समर्थन भी करते हैं और विरोध भी करते हैं। दोनों बात इनकी है।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): चित्त भी मेरा और पट भी मेरा।

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, I will be brief as you have said that there is a big list of speakers. The whole House is united on this issue that this incident is ghastly. I hope that the inquiry that the Government is making would result in the guilty really being brought to book and the people responsible for this incident being punished so that such things do not happen again. I would also add that no effort should be made to communalize the issue as between the Hindus and Muslims.

Sir, I would now like to seek my clarifications. I want to know whether it is not a fact that locally the people belonging to both the communities—the Hindus and the Muslims—came forward and participated in the relief operations. That is No. 1. No. 2: What were the slogans raised, against which the passengers objected? No. 3: Was the Railway Police present at the railway station and, if they were present, what were they doing? And, how much time had elapsed before the local police arrived on the scene? I want to know the time of the incident and the time when the police came. It is very clear that efforts are being made to sow communal poison all over the country, to communalise the country and certainly certain outside elements or certain agent-provocateurs or certain anti-social elements or certain anti-secular forces are responsible for such incidents. And they

[Shri Kapil Varma

will try to create such incidents all over the country probably. So, I would like to know from the Government what steps the Government is taking to prevent such incidents in future so that such things do not take place.

Particularly I want to know what precautions are being taken at the railway stations. A large number of the railway stations are in far-flung areas, in rural areas. They are pretty unsafe. Only one or two or four constables are travelling in the trains. So, I want to know what steps the Ministry is taking to protect the passengers and to ensure that such incidents do not take place again.

Thank you.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष जी, यह जो पालेज रेलवे स्टेशन है और जैसे कि मंत्री जी ने बतलाया कि यहां पर गाड़ी का जो ठहराव है वह केवल 4 मिनट का था और यह भी बतलाया गया है कि भारतीय जनता पार्टी या राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवक गाड़ी में नारे लगा रहे थे। कल जब इस विषय पर जे० पी० माथुर ने ध्यान आकर्षित किया इस सदन को तो उन्होंने यह भी बतलाया कि वहां पर कुछ लोग पाकिस्तान ज़िन्दाबाद के नारे लगा रहे थे। तो एक तो मैं यह जानना चाहता हूं कि एक ओर तो आरोप यह है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जो लोग गाड़ी में थे वे लोग नारा लगा रहे थे, जिस नारे के कारण कुछ स्थानीय गुसलमानों ने उसका विरोध किया और दूसरी ओर जे० पी० माथुर जी का एक आरोप था कि वहां पर जो नारा लगाया जा रहा था वह पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा था। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि दोनों आरोपों में कौन सी चीज़ सही है और वह कौन सा नारा था जिस पर कि वहां के अल्प-संख्यक समुदाय के लोगों ने उसका विरोध किया? दूसरे यह भी बतलाया गया है कि करीब-करीब दो सौ लोग वहां पर एकत्रित हो गए थे। बहुत छोटा सा वह रेलवे स्टेशन है और केवल चार मिनट का ठहराव है और दो सौ लोगों का इस रेलवे स्टेशन पर इकट्ठे हो जाने का मतलब यह लगता है कि उस गाड़ी के आने के पहले ही उस गांव में योजना बन रही थी कि जब गाड़ी आएगी तो वहां पर उसे रोका जाएगा और उस पर पथराव किया जाएगा। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि यदि यह दो सौ लोगों ने वहां पर इकट्ठा होना शुरू किया तो उसको रोकने के लिए वहां पर जी०आर०पी० या आर०पी०एफ० की पुलिस थी या स्थानीय पुलिस रही होगी जिसका संबंध राज्य प्रशासन से रहा होगा, तो इन लोगों ने क्या कार्यवाही की? तीसरे, इस प्रकार के जो समाचार छपे कि जिसमें यह कहा गया है कि पालेज गांव में अधिकतर मुसलमान थे, इसलिए इस प्रकार की घटना घटी। मैं इस ओर भी मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि इस प्रकार के समाचारों से जो सांप्रदायिकता है और जो सांप्रदायिक भावना है उसको भी बल मिलता है। आज देश की स्थिति चारों ओर कहना चाहिए कि बहुत अच्छी नहीं है। एक ओर काश्मीर, दूसरी ओर पंजाब और तीसरी ओर आसाम और चौथी ओर यह राम जन्म-भूमि तथा बाबरी मस्जिद का मामला है। इसलिए आए दिन सांप्रदायिक तनाव बढ़ते रहते हैं और सांप्रदायिक घटनाएं होती रहती हैं जिसमें निर्दोष लोगों की जान जाती रहती है। तो मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार करेगी कि इस प्रकार के समाचार कम से कम समाचार-पत्रों में न छपें जिससे कि इस देश में अलगाववादी जो प्रवृत्ति है उसको बढ़ावा मिलने में मदद मिलती है?

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): माननीय उपसभाध्यक्ष जी, इस रेल से आने वाले यात्रियों को मैं व्यक्तिगत रूप में जानता हूं और उनमें से जो वहां पर पहुंचे उनके साथ बातचीत करने पर जो जानकारी इकट्ठी हुई मुझे यह कहते समय खेद है कि उस संदर्भ में, उस प्रकाश में गृह मंत्री का यह वक्तव्य आधा-अधूरा और लीपा-पोती करने वाला है। पहले तो मैं यह नहीं जानता कि यह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का नाम बीच में कहां से आ गया? इस में भारतीय जनता पार्टी के कौन थे और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कौन थे ...**(व्यवधान)**... मुझे उस में आपत्ति नहीं है। अगर कोई कहे, मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का कार्यकर्ता हूं तो उस में मुझे गर्व है। इस मे मुझे आपत्ति नहीं है। लेकिन इन्हें कहां से मालूम हो गया कि कौन से संघ के थे, कौन से भारतीय जनता पार्टी के थे ...**(व्यवधान)**... लेकिन भारतीय जनता पार्टी के इस में सदस्य आ रहे थे और कोई नारा इन की ओर से ऐसा नहीं लगा था जिस पर किसी मुसलमान को आपत्ति हो। अगर कोई हिंदुस्तान जिंदाबाद का नारा लगाए, अगर कोई कश्मीर हिंदुस्तान के साथ रहे, इस प्रकार का नारा लगाए तो मुझे नहीं लगता कि हिंदुस्तान के किसी मुसलमान को इस नारे पर आपत्ति हो सकती है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के इन कार्यकर्ताओं द्वारा ऐसा कोई नारा नहीं लगाया गया था। मैं, मेरे कहने में थोड़ा सुधार कर के कहूं कि इससे किसी राष्ट्रभक्त हिन्दुस्तानी मुसलमान को आपत्ति नहीं हो सकती है।

इसका अर्थ यह है कि वहां कुछ ऐसे तत्व निश्चित रूप से मौजूद थे जिनको यह नारा लगे, न लगे, इस से कोई संबंध नहीं था वह शायद पहले से ही जानते थे कि यहां से गाड़ियों में भारतीय जनता पार्टी के लोग जाएंगे क्योंकि 4 मिनट का ठहराव होने के बाद दो-ढाई सौ की भीड़ वहां आकर गाड़ी जलाने का प्रयास करती है तो कोई भी इस पर विश्वास नहीं करेगा कि गाड़ी से नारा दिया गया। फिर वह नारा किसी ने सुना, उसकी प्रतिक्रिया हुई, फिर यह गांव में गया, फिर ढाई सौ लोग इकट्ठे हुए और स्टेशन पर आए। यह सब कुछ 4 मिनट के ठहराव के बीच में हुआ होगा, इस पर भले ही गृह मंत्री जी विश्वास करें, छोटा बच्चा भी विश्वास नहीं कर सकता। इससे स्पष्ट है कि इस के पीछे कोई-न-कोई षडयंत्र था। लोग पहले से ही जानते थे, इसलिए ढाई सौ की भीड़ मिलकर आई और गाड़ी पर हमला किया। यह किसी नारे की प्रतिक्रिया में नहीं हुआ होगा। यह षडयंत्र था और दुर्भाग्य से इस षडयंत्र को इस वक्तव्य में उजागर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। इसलिए मैं गृह मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि अगर 4 मिनट के बीच में ये सारी घटनाएं घटी हैं तो क्या इस के पीछे कोई षडयंत्र था और क्या इस के लिए उन्होंने कोई पूछताछ करने की कोशिश की?

दूसरे, मैं यह पूछना चाहूंगा कि इस में यह कहा गया है कि 21 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। तो कब किया गया? यह घटना 30 अप्रैल को हुई और हमारी जानकारी में एक मई की दोपहर तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया था। तो क्या 30 अप्रैल को इतनी बड़ी घटना हुई जिसमें कि एक व्यक्ति की मृत्यु हुई, आठ घायल हुए और गाड़ी जलाने का प्रयास हुआ तो क्या इस के बाद पुलिस तुरंत आई? ये जो सारी भारतीय दण्ड संहिता की धाराएं बताई गई हैं, उन के अनुसार क्या 30 अप्रैल को केस रजिस्टर हुआ या एक को हुआ? यदि एक को हुआ तो इसका अर्थ यह है कि पाश्चात्य बुद्धि से काम चला है, उस समय कुछ नहीं किया। हमारी जानकारी में वहां पुलिस तुरंत नहीं आई, लगभग ढाई घंटे बाद आई। क्या ढाई घंटे का मतलब हिंदुस्तान की सरकार को तुरंत लगता है? ढाई घंटे के बाद पुलिस वहां पर आई, इस का इस में कहीं कोई उल्लेख नहीं है।

इस के साथ मैं यह भी जानना चाहूंगा कि, अगर पुलिस ने कोई कार्यवाही की है तो भीड़ में से भी कोई घायल हुआ होगा। जो हमला कर रहे थे उस में किसी को तो लाठी लगी होगी, गोली चलाने की नौबत आई होगी। जब वहां एक व्यक्ति मरा है तो पुलिस ने भी कुछ-न-कुछ कार्यवाही की होगी, किसी को चोट आई होगी। जो सारे आंकड़े बताए हैं उस में भीड़ का कोई जख्मी नहीं हुआ, भीड़ पर किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही नहीं हुई। इस का अर्थ यह है कि सारी घटना होने के बाद हिंदुस्तानी फिल्म की तरह पुलिस वहां पहुंच गयी जब कि सारी चीजें हो चुकी थीं। तो इस प्रकार से

[श्री प्रमोद महाजन]

वहां पुलिस के पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि पुलिस की भी इस में वहां कोई मिलीभगत थी? वहां कोई पहुंचा ही नहीं। इसलिए ढाई घंटे क्यों लगे, भीड़ पर किसी प्रकार की कार्यवाही क्यों नहीं हुई? आखिर पुलिस कुछ कार्यवाही कर सकती थी, उस संबंध में इस में कोई जानकारी नहीं है। तो भीड़ में भी कोई घायल हुआ है, किसी प्रकार की कार्यवाही हुई है, इस प्रकार की जानकारी दें, तो अच्छा होगा। इसके बाद, गालेज गांव में कौन सी जनसंख्या अधिक रहती है, इससे मुझे कुछ लेना-देना नहीं है, किसी धर्म से लेना-देना नहीं है। लेकिन क्या इसमें कोई ऐसे तत्व, पाकिस्तानी तत्व मौजूद हैं, जो बार-बार इस गांव में इस प्रकार के दंगे कराने का प्रयास करते हैं? क्या सरकार इसके प्रति सतर्क है? क्या इस गाड़ी का आना भी, इस प्रकार के दंगे निर्माण करने के लिए उपयोग किया गया था। इसके बारे में भी अच्छा हो, सरकार अपने बयान में कुछ कहे।

अंत में, मुझे उपाध्यक्ष जी, यही कहना है कि यह भारतीय जनता पार्टी के लोग थे या और किसी भी दल के लोग थे, यह महत्वपूर्ण नहीं है। कोई देशभक्ति के नारे लगाते हुए आए और उस पर भीड़ हमला करे, मतलब भारतीय जनता पार्टी के नारों के बारे में तो इसमें जिक्र है, लेकिन भीड़ ने जिस प्रकार के नारे लगाए—कश्मीर तो क्या सारा हिंदुस्तान लेंगे, कश्मीर तो तब बचाओगे जब यहां से बचकर जाओगे, बेनजीर भुट्टो जिंदाबाद और पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लगाये, और इस प्रकार के नारों अगर हमला हुआ है तो क्या सरकार के पास ऐसे नारों की खबर है और अगर है तो किस प्रकार की कार्यवाही सरकार द्वारा की गई है?

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक छोटा सा प्रश्न यह भी है कि जिस रेलवे-स्टेशन पर घटना हुई, मेरी जानकारी में वहां दो रेलवे पुलिस के आदमी भी उपस्थित थे, जिनके हाथ में थ्री-नोट-थ्री राइफल थी। इन्होंने हवा में भी फायरिंग नहीं की। अगर यह पुलिस के आदमी थे तो इन पर क्या कार्यवाही की गई? ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो० चन्द्रेश पी० ठाकुर): महाजन जी, आप मेरे पड़ौसी है। आपकी आवाज मुझे अच्छी लगती है, लेकिन आप एक पेरेलल स्टेटमेंट न दें। आप स्पष्टीकरण पूछें। लास्ट पाइंट प्लीज।

श्री प्रमोद महाजन: बहुत अच्छा है कि आपको मेरी आवाज अच्छी लगती है। पड़ौसी होने के नाते ही मैं सोच रहा था कि आप थोड़ा सा मौका देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: लेकिन शक्ल अच्छी नहीं लगती, आवाज अच्छी लगती है। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद महाजन: अंत में, केवल मैं एक ही स्पष्टीकरण पूछना चाहूंगा, जैसा मैंने कहा कि यह दो रेलवे पुलिस के आदमी स्टेशन पर थे। क्या इनके बारे में इन्हें कोई जानकारी है कि स्टेशन पर ये थे और क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की गई? हमारी जानकारी में रेलवे पुलिस की दो राइफलें भीड़ ने उठाकर अपने कब्जे में ले लीं और इन्हीं राइफलों का उपयोग करके उन्होंने दो गाड़ियों के बीच में जो पर्दा होता है, उसे फाड़कर ट्रेन के डिब्बे में घुसने की कोशिश की और इस प्रकार की यह गंभीर घटना हुई है। रेलवे-पुलिस की ही राइफल के द्वारा हमला करने की कोशिश की गई है। तो क्या वहां रेलवे पुलिस थी और रेलवे की ओर से इनको कौन सी जानकारी मिली है कि रेलवे-पुलिस वहां क्या कर रही थी, इसके बारे में भी कुछ कहें। धन्यवाद।

चौधरी हरि सिंह (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, इस घटना के बारे में मंत्री जी ने जो अपना बयान दिया है, इसमें दो-तीन चीजें स्पष्ट नहीं हो पा रही हैं। एक तो यह कि पालेज जो स्टेशन है, इसके आसपास जो आबादी रहती है, वह कितनी दूरी पर है? क्या उसमें एक विशेष वर्ग के लोग ही रहते हैं या अन्य वर्ग के लोग भी रहते हैं? अगर वहां पर वे लोग इकट्ठे हो गए थे गाड़ी पहुंचने पर, तो क्या कुछ ऐसे मुद्दे सरकार की जानकारी में आए, जिससे वे लोग इकट्ठे होकर वहां इस ट्रेन का इंतजार कर रहे थे? एक मेरा यह सवाल है। दूसरा सवाल, मेरा यह है कि जैसा इसमें लिखा है कि तुरंत पुलिस सूचना पाते ही मौके पर पहुंच गई। तो कौन सी पुलिस पहुंची? रेलवे की पुलिस या सिविल पुलिस पहुंची? और उस पुलिस के साथ किस प्रकार के अधिकारी मौजूद थे? सब-इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, डी०एस०पी० या एस० पी० कौन पुलिस अधिकारी मौजूद थे? फिर जैसा कहा गया है, बंदूकें छीन लीं, जैसा माननीय सदस्यगण कह रहे हैं। तो बंदूकें कहां से छीनीं और किसने छीनीं, इसका कहीं कोई जिक्र नहीं आया है। अगर उसको छीना तो उसका क्या इस्तेमाल किया गया? अगर पुलिस ने इस्तेमाल किया तो क्या किया?

मान्यवर, मेरा अगला सवाल है, जो मैं सीधा पूछना चाहता हूं, इसमें महानिरीक्षक पुलिस जो है, जांच कर रहे हैं। उस जांच की रिपोर्ट कब तक वे दे देंगे? मैं यह भी खासतौर पर जानना चाहूंगा कि जो रेल में सफर कर रहे थे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता या स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता या राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथी लोग, ये किस तरह के नारे लगा रहे थे और जो गांव वाले थे, उन्होंने इनको कैसे सुना? उनका माध्यम क्या था? क्या गाड़ी जगह-जगह रोक के ले जाई जा रही थी? प्रचार करते हुए, नारे लगाते हुए, भड़कने वाले नारे लगाते हुए जगह-जगह रोकते हुए ले जा रहे थे? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या रेल कई जगह रुकी थी या नहीं रुकी थी?

† [شری مولانا عبید اللہ خاں اعظمی (اترپردیش) : محترم چیرمین صاحب - ہوم منسٹر صاحب کا جو بیان ہاؤس میں آیا ہے - اس بیان پر میری طرف سے ایک سوال یہ ہے کہ ریل میں جو یہ درگھٹنا ہوئی ہے - اس سے پہلے بھی اس طرح کی درگھٹنائیں ملک کے کئی حصوں میں ہوئی ہیں - ریزرویشن کمپارٹمنٹ پر جن لوگوں کے نام لکھے رہے ہیں - ان میں ہر سمپردائے اور ہر فرقہ کے لوگ ہوتے ہیں - سفر کرتے ہیں - اور انکے نام لکھے رہے ہیں - بسااوقات ملک کے دوسرے حصوں میں فرقہ پرستی کی آگ میں جل بھنکر لوگوں نے ان ناموں اور سیٹوں کو جان کر اندر گاڑیوں میں حملے کئے ہیں - اس دفعہ جو حملہ ہوا ہے - دونوں طرف سے نعروں کی آواز آرہی ہے کہ کچھ لوگ پاکستان کے طرفدار

تھے جن لوگوں نے پاکستان زندہ باد کے نعرے لگائے اور بےنظیر بھٹو زندہ باد کے نعرے لگائے ۔ ہندوستان کے خلاف نعرے لگائے - بی - جے - پی - اور وشو ہندو پریشد کے بارے میں جو ہمارے بھائی مہاجن صاحب نے کہا ہے کہ دیش بھکتی کے نعرے لگائے ۔ اگر یہ نعرے لگے تو ان نعروں کا لگانا کوئی غلط بات نہیں ہے - مگر میں مہاجن جی کی توجہ اس طرف چاہونگا.....(مداخلت)..

....اپ سبھادھیکش (پروفیسر چندریش پی ٹھاکر) : یہ سوال مہاجن جی کی طرف نہیں ہونا چاہئے - سٹیٹمنٹ سرکار کے اسٹیٹمنٹ پر ہے - مہاجن جی پر نہیں ہے - اس کی چرچا آپ سدن کے باہر کریں -

شری مولانا عبیداللہ خان اعظمی: تو ہوم منسٹر صاحب سے میرا یہ کہنا ہے کہ جو نعرے یہاں لگے ہیں کشمیر کے سلسلے میں یا دیش بھکتی کے سلسلے میں - اس دیش میں ایسے بھی نعرے لگا رہے ہیں - کہ "ہندی ہندو ہندوستان - مسلم بھاگو پاکستان" ہندوستان میں رہنا ہوگا وندے ماترم کہنا ہوگا - مسلمانوں کی ایک تباہی جوتا چھول اور پٹائی اس طرح کے نعروں کے ذریعے ملک کی حالت اتنی زیادہ خراب ہوگئی ہے - میں

...سمجھتا ہوں کہ ان نعروں کو کنٹرول کرنے کی ضرورت ہے - اور جو واقعہ ہوا ہے اسکی چھان بین کیلئے میں انورودھ کرتا ہوں کہ ہوم منسٹر صاحب - سینٹرل کمیٹی کی ایک جانچ کمیٹی بنا کر اسکی تفتیش کروائیں - اور جو معاملے ہوں - انصاف کے ساتھ سختی کے ساتھ اس پر عمل کریں آگے کیلئے فرقہ پرستی کی روک تھام کریں تاکہ میں سفر کرنے والوں کو زیادہ آسانیاں ہوں اور تحفظ فراہم کیا جاسکے ۔

श्री मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): मोहतरम चेयरमैन साहब, होम मिनिस्टर साहब का जो बयान हाउस में आया है, इस बयान पर मेरी तरफ से एक सवाल यह है कि रेल में जो यह दुर्घटना हुई है, इससे पहले भी इस तरह की दुर्घटनाएं मुल्क के कई हिस्सों में हुई हैं। रिजर्वेशन कम्पार्टमैंट पर जिन लोगों के नाम लिखे रहते हैं उनमें हर सम्प्रदाय और हर फिरके के लोग सफर करते हैं और उनके नाम लिखे होते हैं। बसाऔकात मुल्क के दूसरे हिस्सों में फिरकापरस्ती की आग में जल-भुनकर लोगों ने उन नामों और उन सीटों को जानकर अंदर गाड़ियों में हमले किए हैं। इस दफा जो हमला हुआ, दोनों तरफ से नारों की बात आ रही है कि कुछ लोग पाकिस्तान के तरफदार थे, जिन लोगों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए और बेनज़ीर भुट्टो के जिंदाबाद के नारे लगाए, हिन्दुस्तान के खिलाफ नारे लगाए। बी॰जे॰पी॰ या विश्व हिन्दु परिषद के बारे में जो हमारे भाई महाजन साहब ने कहा है कि देशभक्ति के नारे लगाए गए, अगर ये नारे लगे तो उन नारों को लगाना कोई गलत बात नहीं है। मगर मैं महाजन जी की तवज्जो इस तरफ चाहूंगा ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो॰ चन्द्रेश पी॰ ठाकुर): यह सवाल महाजन जी की तरफ नहीं होना चाहिए

[प्रो॰ चन्द्रेश पी॰ ठाकुर]

स्पष्टीकरण सरकार के स्टेटमैंट पर है, महाजन जी पर नहीं है। इसकी चर्चा आप सदन के बाहर करें।

श्री मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: तो होम मिनिस्टर साहब से मेरा यह कहना है कि जो नारे यहां लगे हैं कश्मीर के सिलसिले में या देशभक्ति के सिलसिले में, इस देश में ऐसे भी नारे लग रहे हैं कि हिन्दी, हिन्दू, हिन्दूस्तान, मुस्लिम भागो पाकिस्तान, हिंदुस्तान में रहना होगा, वन्दे मातरम कहना होगा, मुसलमानों की एक तबाही, जूता-चप्पल और पिटाई, इस तरह के नारों के जरिए मुल्क की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई। मैं समझता हूं कि इन नारों पर कंट्रोल करने की जरूरत है और जो वाक्या हुआ है, उसकी छान-बीन के लिए मैं अनुरोध करता हूं कि होम मिनिस्टर साहब सैंट्रल कमेटी की एक जांच कमेटी बनाकर उसकी तफतीश करवाएं और जो मामले हों, इन्साफ के साथ, सख्ती के साथ उस पर अमल करके, आगे के लिए फिरकापरस्ती की रोकथाम करें ताकि मुल्क में सफर करने वालों को ज्यादा से ज्यादा आसानियों को तहफ्फूज़ फरहाम किया जा सके।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P.THAKUR): Now hon. Members, it is 1.30 p.m. This is a time you have to make a choice between physical hunger and political curiosity. (*Interruptions*)

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): I always make a choice for physical hunger.

SHRI V. NARAYANASAMY: We all support Mr. Vishvjit Singh. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): There are 11 names here on this statement itself and if you compromise in favour of your political curiosity, then those who have to seek clarifications and of course the Minister, will have to forgo their lunch or delay their lunch.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: No, no. We won't do that. We want the House to be adjourned now. (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): The House stands adjourned till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at thirty-three minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-three minutes past two of the clock,

[The Vice-Chairman (Prof. Chandresh P. Thakur) in the Chair.]

STATEMENT BY MINISTER

Incident at Palej Railway Station in Bharuch District of Gujarat—contd.

डा॰ रत्नाकर पाण्डेय: माननीय उपसभाध्यक्ष जी, आपकी अध्यक्षता में मैं इस सदन में बोल रहा हूं। आपको इस पद पर सदन ने अधिकृत किया है उपसभाध्यक्ष के पैनल में। हम आपका स्वागत करते हैं और विश्वास करते हैं कि इस सदन की सर्वोच्च परंपरा के अनुरूप और भी विकसित मूल्यों की स्थापना आपकी अध्यक्षता में होगी।

गृह मंत्री जी ने एक दल विशेष के एक विशेष सदस्य के विशेष आग्रह पर गुजरात के भरूच जिले के पालेज रेलवे स्टेशन पर 30 अप्रैल की दुर्घटना के संबंध में आज एक वक्तव्य दिया है। उसमें भारतीय जनता पार्टी के एक एम॰एल॰ए॰ श्री प्रकाश मेहता के नेतृत्व मे एक ग्रुप आ रहा था, कल दिल्ली